सब्जियों की फसलों में कृषि रसायनों का सुरक्षित एवं विवेकपूर्ण उपयोग

भा.कृ.अनु.प.-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान,
क्षेत्र-1 पं.कृ.वि. परिसर, लुधियाना-141004

Scanned by CamScanner

भा.कृ.अनु.प.-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान,क्षेत्र-1
पं.कृ.वि. परिसर, लुधियाना-141004

जनवरी 2017

1000 प्रतियाँ

संपादकः
डॉ. प्रज्ञा भदौरिया
डॉ. अरविन्द कुमार

प्रकाशकः
निदेशक, भा.कृ.अनु.प.–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान
क्षेत्र–1, पं.कृ.वि. परिसर, लुधियाना–141004
दूरभाषः 0161-2401018
ई–मेलः zcu1ldh@gmail.com

नोटः इस अंक में प्रसारित रचनायों में व्यक्त विचारों/आंकड़ों आदि के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी है।

मुद्रक :
प्रिंटिंग सर्विसेज कंपनी
3801/1, प्रीतम नगर
मॉडल टाउन, लुधियाना–141004
दूरभाष : 0161-2410896, 09888021624
ई–मेल : decentpublish@gmail.com

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान
क्षेत्र-१, पं. कृ. वि. परिसर, लुधियाना-१४१००४
Indian Council of Agricultural Research
Agricultural Technology Application Research Institute
Zone-I, PAU Campus, Ludhiana- 141004
Tel. : (O) 2401092, 2401018; Fax : 0161-2413719
Email: zcu1ldh@gmail.com; Website: www.cpdzone1.org

डा. राजबीर सिंह
निदेशक
Dr. Rajbir Singh
Director

प्राक्कथन

कृषि ने मानव सभ्यता के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत की आबादी का अधिकांश हिस्सा कृषि में ही कार्यरत है। कृषि तकनीकों के विकास के कारण फसल उत्पादकता में लगातार वृद्धि हुई है तथा इन नई तकनीकों की वजह से कृषि की पद्धतियों में भी उल्लेखनीय बदलाव आया है । विशेष रूप से खाद्य उत्पादन के लिए फसल सुरक्षा उपायों में कीटनाशकों के उपयोग में । हालांकि, कीटनाशक रासायनिक या जैविक पदार्थों के ऐसे मिश्रण होते है, जो कीड़े मकोड़ों से होनेवाले दुष्प्रभावों को कम करने, उन्हें मारने या उनसे बचाने के लिए प्रयोग में लाये जाते है । यदि रासायनिक कीटनाशको का सही इस्तेमाल किया जाए तो वे फायदेमंद साबित हो सकते है, परंतु उनकी बढ़ती मात्रा, गैर जिम्मेदाराना ढंग से इस्तेमाल तथा उनके दुरुपयोग से मनुष्य, पशु और पर्यावरण के लिए समस्याएं उत्पन्न हो रही है।

कीटनाशको का दुरुपयोग एक विश्व-व्यापी समस्या के रूप में उभर कर आया है, इसका मुख्य कारण किसानों में कीटनाशको के उपयोग से सम्बंधित अपर्याप्त जानकारी एवं प्रशिक्षण का आभाव है । इस वजह से वर्तमान परिदृश्य में यह अत्यंत महत्वपूर्ण है, कि किसानों के बीच समय-समय पर जागरूकता अभियान चलाये जाये । इसके साथ ही देश में किसानों के द्वारा कीटनाशकों के अवशेषों की निगरानी के लिए एकीकृत कीट प्रबंधन दृष्टिकोण अपनाने पर बल दिया जाये । साथ ही फसलों पर कीटनाशकों का उचित उपयोग के लिए सुधारात्मक कार्रवाई शुरू की जाए । इस पुस्तिका का मुख्य उद्देश्य किसानों में कीटनाशकों का सुरक्षित और विवेकपूर्ण इस्तेमाल तथा उन्हें सुरक्षित, प्रभावी और गुणवतापूर्ण कीटनाशकों की उपलब्धता से संबन्धित जानकारी प्रदान करने का है । मुझे आशा है इस पुस्तिका के माध्यम से किसानों में इस दिशा में जागरूकता उत्पन्न होगी । इसके साथ ही मै सभी लेखको व संपादकों को उनके योगदान के लिए शुभकामनाएं एव धन्यवाद देता हूँ ।

(राजवीर सिंह)

Scanned by CamScanner

हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

Agrisearch with a human touch

Scanned by CamScanner